मुहावरे



* **जब कोई वाक्यांश अपने साधारण (शाब्दिक) अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ को व्यक्त करे, तो उसे मुहावरा कहते हैं। जैसे नीचे दिए गए उदाहरणों पर ध्यान दीजिए-**

मुहावरा	**शाब्दिक अर्थ**	**विशेष अर्थ**
- चिकना घडा	ऐसा घडा जो चिकना हो	जिस पर किसी बात का असर न हो
- होंठ काटना	होंठ को काटना	आश्चर्य में पड़ना
- रात-दिन एक करना	रात और दिन को एक करना	कड़ी मेहनत करना

* **मुहावरे के प्रयोग में निम्नलिखित सावधानियाँ बरतनी चाहिए:**

(1) मुहावरों का प्रयोग उनके असली रूपों में ही करना चाहिए । उनके शब्द बदले नहीं जाते हैं। जैसे 'अक्ल का दुश्मन' एक मुहावरा है। यदि इसके स्थान पर 'अक्ल का शत्रु' प्रयोग किया जाए या 'नौ-दो ग्यारह होना' की जगह 'आठ तीन ग्यारह होना' किया जाए तो सर्वथा अनुचित है।

(2) मुहावरे वाक्यों में ही शोभते हैं, अलग नहीं। जैसे - यदि कहें 'कान काटना' तो इसका कोई अर्थ व्यंजित नहीं होता, किन्तु यदि ऐसा कहा जाय - 'वह छोटा बच्चा तो बड़े-बडों के कान काटता हैं' तो वाक्य में अद्‌भुत लाक्षणिकता, लालित्य और प्रवाह स्वतः आ जाता है।

(3) मुहावरे का प्रयोग करते समय इस बात का सदैव ख्याल रखना चाहिए कि समुचित परिस्थिति, पात्र, घटना और प्रसंग का वाक्य में उल्लेख अवश्य हो। केवल वाक्य-प्रयोग कर देने पर संदर्भ के अभाव में मुहावरे अपने अर्थ को अभिव्यक्त नहीं कर सकते हैं।

जैसे - नौ दो ग्यारह होना - भाग जाना ।

इस मुहावरे का वाक्यप्रयोग और स्पष्टता समझिए ।

वाक्यप्रयोग : शेर को देखते ही हिरण नौ दो ग्यारह हो गया।

स्पष्टता : शेर, हिरण का शिकार करता है; क्योंकि वह शेर का भक्ष्य है। कोई जीव जान बुझकर मरना नहीं चाहता। अतएव, शेर को देखकर हिरण अपनी जान बचाने के लिए भागेगा ही । 'नौ दो ग्यारह होना' का अर्थ व्यंजित हुआ - 'भाग जाना' ।

यदि सीधा ऐसा वाक्य बनाया जाय- 'हिरण नौ दो ग्यारह हो गया' - तो मुहावरे का अर्थ बिलकुल स्पष्ट नहीं हो पाएगा ।

(4) मुहावरे का एक विलक्षण अर्थ होता है । इसमें वाच्यार्थ का कोई स्थान नहीं होता। जैसे- 'आग में घी डालना' का जब वाक्यप्रयोग होगा, तब इसका अर्थ होगा- 'क्रोध को भड़काना ।'

(5) मुहावरों के वाक्य-प्रयोग अलग-अलग रूप से हो सकते हैं-

जैसे : पानी-पानी होना - बहुत लज्जित होना ।

1. इसमें पानी-पानी होने की क्या जरूरत है ? इस उम्र में ऐसी गलतियाँ हो ही जाती है।
2. तुम कुछ भी कहो, वह आज सबके सामने उन्हें पानी-पानी करके छोडेगा।
3. बात में जरुर दम है, तभी तो वह व्यक्ति आज मेरे सामने पानी-पानी है।
4. भरी सभा में पोल खुल जाने से मुखियाजी पानी-पानी हो गए।

●